उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा माहति) : (क) वर्ष 1973 से 1976 तक प्रति व्यक्ति खपत के लिए कपड़े की उपलब्धता निम्न प्रकार है :—

	मीटर
1973 . .	13.94
1974 . .	14.60
1975 . .	14.56
1976 . .	13.73 (अनन्तिम)

(ख) ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति कपड़ें की खपत के प्रामाणिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

(ग) और (घ). यह सच है कि कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत में कमी होती रही है। यह प्रवृत्ति मुख्य रूप से मन्दी की स्थितियों के कारण उत्पन्न हुई है। टिकाऊ गैर-सूती धागे का अधिक प्रयोग करने के कारण कपड़े में आए अधिक टिकाऊपन से एवं विभिन्न अवसरों पर पहने जाने वाले कपड़ों के बारे में हुए परिवर्तनों के कारण भी प्रति व्यक्ति खपत में कमी हुई है। उपभोक्ता की क्रय शक्ति को बढ़ाकर कपड़े की प्रति व्यक्ति पूर्ति तथा खपत को कुछ सीमा तक बढ़ाया जा सकता है। वस्त्रों की पूर्ति को बढ़ाने के प्रयासों को छठी योजना के कार्यक्रम के अंग के रूप में लिया जाए गा।

कपड़े की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में कमी

1530. **श्री अनन्तराम जायसवाल** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 1965–66 से कपड़े की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में निरंतर कमी हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में गत तीन वर्षों में अलग-अलग प्रति व्यक्ति उपलब्धता और खपत के आंकड़े क्या हैं; और

(ग) प्रति व्यक्ति उपलब्धता के निरंतर कम होने के क्या कारण हैं और क्या इस उपलब्धता और खपत को बढ़ाने के लिये सरकार कोई उपाय कर रही है ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा माहति): (क) से (ग). क्या यह सच है कि कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत में कमी होती रही है। यह प्रवृत्ति मुख्य रूप से मन्दी की स्थितियों के कारण उत्पन्न हुई है एवं विभिन्न अवसरों पर पहने जाने वाले कपड़ों के बारे में हुए परिवर्तनों के कारण उनकी मांग बढ़ने में रुक गई है। टिकाउ गैर-सूती धागे का अधिक प्रयोग करने के कारण कपड़े में आए अधिक टिकाऊपन के कारण भी प्रति व्यक्ति खपत में कमी हुई है। उपभोक्ता की क्रय शक्ति को बढ़ाकर कपड़े की प्रति व्यक्ति पूर्ति तथा खपत को कुछ सीमा तक बढ़ाया जा सकता है। वस्त्रों की पूर्ति को बढ़ाने के प्रयासों को छठी योजना के कार्यक्रम के अंग के रूप में लिया जायेगा। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कपड़े की उपलब्धता तथा उसकी खपत के बारे में अलग-अलग आंकड़े नहीं रखे जाते हैं तथापि, वर्ष 1974 से 1976 की अवधि में, जिसके आंकड़े उपलब्ध हैं, खपत के लिए कपड़े की प्रति व्यक्ति उपलब्धता निम्न प्रकार है :—

1974	14.60 मीटर
1975	14.56 मीटर
1976	13.73 मीटर (अनन्तिम)